

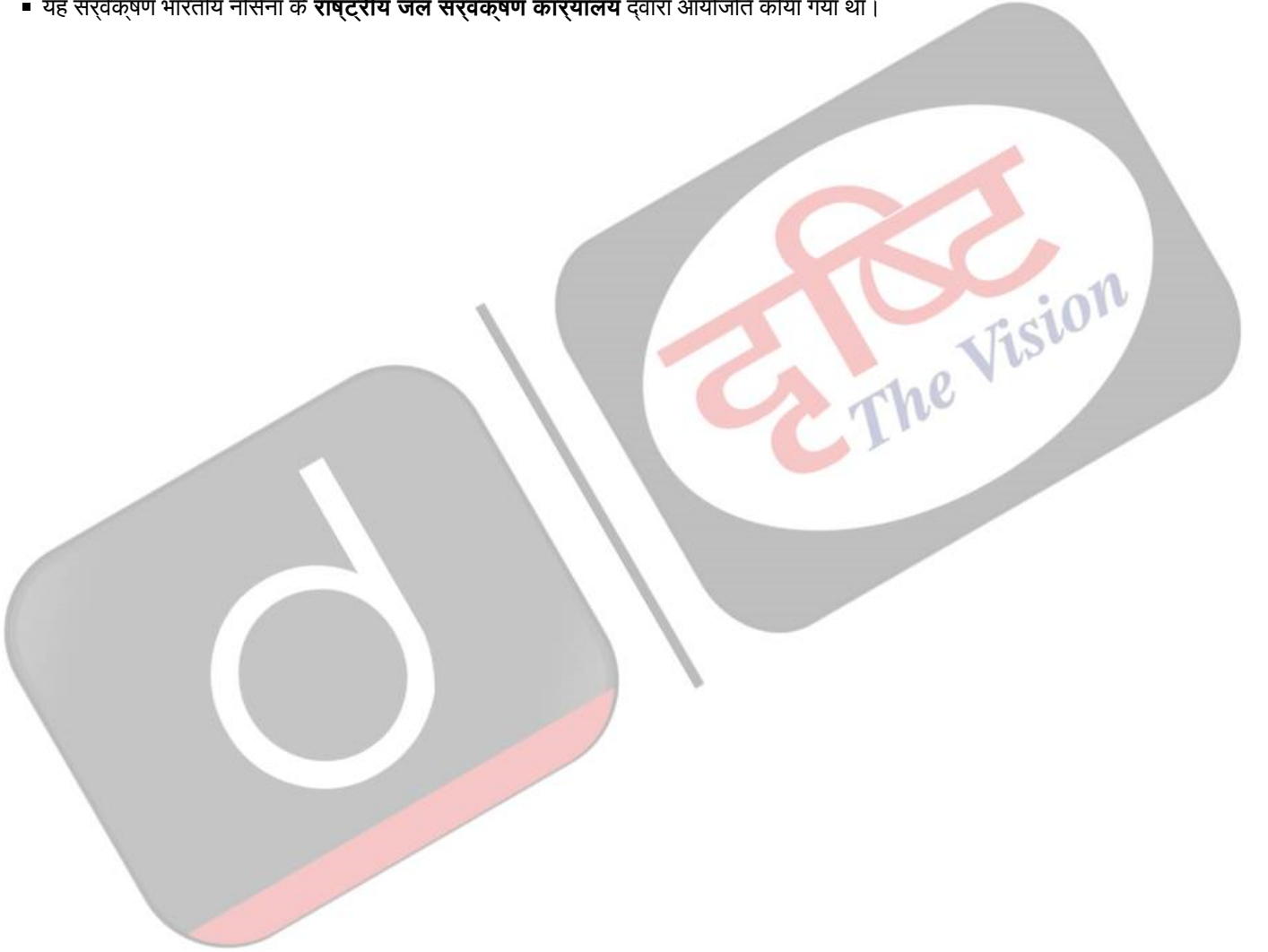


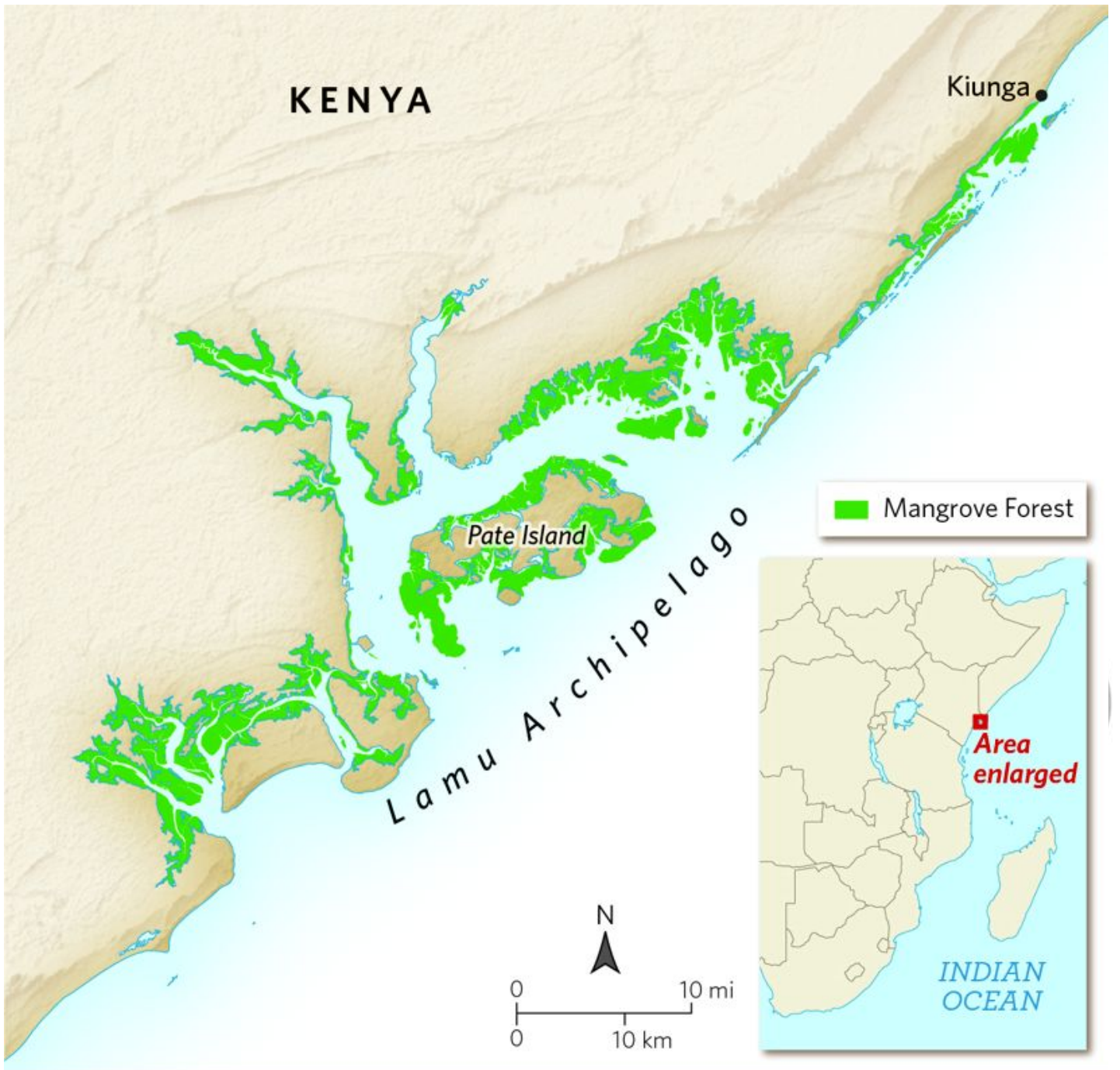
भारत-केन्या संबंध

भारत ने हाल ही में [केन्या](#) को 100 समुद्री चार्ट सौंपे, जो लामू द्वीपसमूह के नजिक तटीय क्षेत्र के दोनों देशों की नौसेनाओं के मध्य एक सहयोगी सर्वेक्षण का परिणाम है।

- यह सर्वेक्षण भारतीय नौसेना के राष्ट्रीय जल सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया था।

//





केन्या से संबंधित प्रमुख बटु:

- केन्या पूरवी अफ्रीका में स्थतत है । इसका भू-भाग [हदु महासागर](#) के नचले तटीय मैदान से लेकर इसके केंद्र में पहाड़ों और पठारों तक फैला हुआ है ।
- हदु महासागर और वक्टोरया झील के मध्य केन्या की अवस्थततिका मतलब है कत पूरे अफ्रीका और मध्य पूरव के लोग सदरियों से यात्रा और वयापार करते रहे हैं ।
 - इसने कई जातीय समूहों और भाषाओं के साथ एक ववधु संस्कृततिका नर्रमाण कया है ।
- वैज्जानकों का मानना है कत उत्तरी केन्या और तंजानया शायद इंसानों के मूल जन्मस्थान रहे होंगे ।
- अब तक पाए गए सबसे पुराने मानव पूरवजों में से एक की हड्डरियों केन्या के तुरकाना बेसनि में खोजी गई थीं ।
 - तुरकाना झील, वशुव की सबसे बड़ी रेगसततानी झील, ओमो-तुरकाना बेसनि का हसुसा है, जो चार देशों- इथयोपया, केन्या, दक्षण सुडान और युगांडा में फैली हुई है ।
- [UN-Habitat](#) का मुखयालय नैरोबी, केन्या में स्थतत संयुक्त राष्ट्र कारयालय में है ।

केन्या के साथ भारत के संबंध:

- भारत और केन्या के संबंध काफी पुराने हैं जसका उल्लेख हमें इनके बीच मसालों के वयापार में मलता है ।

- भारत का समुद्री पड़ोसी देश होने के अतिरिक्त पश्चिमी हिंद महासागर की भू-राजनीति के निर्धारण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।
- भारत का **अफ्रीकी संघ** के साथ लंबे समय से स्थापित संबंध है, साथ ही भारत इसका सक्रिय सदस्य है।
 - वर्ष 2017 में केन्याई सरकार ने **भारतीय वरिसत (मूल)** के लोगों को अपने राष्ट्र में **44वीं जनजाति** के रूप में नामित किया।
- इसके अलावा अब तक कुल 14 केन्याई कर्मियों ने **भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (Indian Technical and Economic Cooperation- ITEC)** योजना के तहत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोग्राफी, गोवा में अपना प्रशिक्षण पूरा किया है।

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम:

- ITEC विदेश मंत्रालय, भारत सरकार का अग्रणी कषमता निर्माण मंच है।
- वर्ष 1964 में स्थापित **ITEC अंतरराष्ट्रीय कषमता निर्माण हेतु सबसे पुरानी संस्थागत व्यवस्थाओं** में से एक है, जसिने नागरिक और रक्षा कषेत्र दोनों में 160+ देशों के 200,000 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है।
- EC प्रत्येक वर्ष भारत में **100+ प्रतिष्ठित संस्थानों** में पेश किये जाने वाले लगभग **400 पाठ्यक्रमों** के माध्यम से लगभग **10,000 पूर्ण रूप से वित्तपोषित** व्यक्तिगत प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करता है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-kenya-ties-1>

